CONTENT CREATER NAME:	NEERAJ SINGH
NAME OF THE COLLEGE:	UNITY PG COLLEGE, HARDOI ROAD, SECTOR - B, BASANT KUNJ, LUCKNOW.
DESIGNATION:	ASSISTANT PROFESSOR
FACULTY:	EDUCATION
DEPARTMENT:	DEPARTMENT OF EDUCATION
GENDER:	MALE
MOBILE:	8176906092, 7991206682
E-MAIL ADDRESS:	neerajsingh.udc@gmail.com neerajsingh398@gmail.com

ELECTRONIC LEARNING

This term was first introduced in 1995 when it was called “internet based training” then “web-based training” (to clarify that delivery could be on the Internet or internet), then online learning and finally e-learning.

Concept→ e-learning is the computer and network-enabled transfer of skills and knowledge. The e-learning applications and process include web based learning, Computer Based learning , virtual education opportunities and digital collaboration.

Definition→ “e-learning is defined as an acquisition of knowledge and skill using electronic Technologies e.g. computer and internet based course-ware and local and wide area network.”

e-learning is also defined as the use of technology to enable people to learn anytime and anywhere.

According to Rosenberg (2001), "e-learning refers to the use of intend technologies to deliver a broad array of solution that enhance knowledge and performance."

Characteristics and Nature of e-learning→

1. Empowered by digital technology.
2. computer enhanced learning.
3. Technology enhanced learning→ Technology support learning process.
4. Online learning→ Internet or web based with no face-to-face interaction.
5. More than CBL (Computer Based learning) & CAI (computer assisted instructions)→ Wider meaning of CBL[and CBI.
6. More than online education.
7. Not synonymous to Audio-Visual and multimedia learning.

Types of e-learning→

1. **Supportive learning→** e-learning inhances the classroom and teaching-learning process. During classroom teaching, Multimedia, Internet, Web technology are used for successful teaching-learning process.

2. **Complete learning→** There are complete and planned e-learning curriculum & learning materials in front of learner. Student acquires knowledge according to their need, pace and interest in independent environment.
3. **Blended learning→** This type of learning is mainly based on the combination of traditional and modern technologies of information & communication.

Styles of e-learning

1. **Asynchronous learning→** In this, the participants may engage in the exchange of Ideas or information without the dependency of other participant involvement at the same time.

   The asynchronous learning also gives students the flexibility to do work at their own pace. They have opportunity to work in a low stress environment with no rigid time frame.

2. **Synchronous learning→** This form of learning involves the exchange of ideas and information with one or more participant during the same time frame.

   A face-to-face discussion is an example of synchronous communication.

Advantages of e-learning→

1. The biggest advantages of e learning lies in its ability to cover distances.
2. e-learning provides the consistency. This type of education is self paced and learning is done at the learner's will and pace.
3. In e-learning, the state of the art technology and instructional strategies are used.
4. e-learning can be made compelling and interesting with multimedia.

Other advantages of e-Learning→

1. Individualized instructions.
2. Easy access.
3. Disadvantageous children→ for Poor health or disabled children.
4. Qualitative→ full-time students has same quality for all.
5. Effective media.
6. Different learning styles→ promote collaboration among students from different localities, culture, regions, states and countries.
7. Flexibility.

8. Play way spirit and learning by doing.
9. Interesting and motivating.

इलेक्ट्रॉनिक लर्निंग (ई-अधिगम या ई-लर्निंग)

इलेक्ट्रॉनिक अधिगम का शाब्दिक अर्थ ऐसे अधिगम या सीखने से है, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों माध्यमों या संसाधनों की सहायता से संपादित किया जाता है ।

इसमें सभी प्रकार के आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक साधनों, जैसे- सीडी-रोम, डीवीडी, टीसी, इंटरनेट, ऑनलाइन लर्निंग, वेबसाइट पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तके, सहायक पाठ्य सामग्री इत्यादि का प्रयोग शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में किया जाता है ।

रोजनबर्ग (2001) के अनुसार, "ई लर्निंग से तात्पर्य इंटरनेट तकनीको के ऐसे उपयोग से है जिनसे विविध प्रकार के ऐसे रास्ते खुले । जिनके द्वारा ज्ञान और कार्य क्षमताओं में वृद्धि की जा सके।"

ई लर्निंग की विशेषताएं

1. इनमें कंप्यूटर सेवाओं की अनिवार्य रूप से आवश्यकता होती है।
2. यह कंप्यूटर विज्ञान की इंटरनेट तथा वेब टेक्नोलॉजी पर आधारित ऑनलाइन एजुकेशन है, जिसमें पढ़ने के लिए न तो समय का ही कोई बंधन होता है और न ही किसी स्थान विशेष का महत्व ।
3. इसमें इंटरनेट या वेब आधारित संप्रेषण सेवाओं→ई-मेल ऑडियो-वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मेल लिस्ट, लाइव चैट, टेलीफोन का प्रयोग किया जाता है ।
4. यह परंपरागत शिक्षा से काफी सस्ती एवं प्रभावी तकनीक है ।
5. इस प्रणाली का प्रयोग विभिन्न कंपनियां अपने स्टाफ को प्रशिक्षण देने के लिए करती हैं।

इलेक्ट्रॉनिक अधिगम के प्रारूप

1. **अवलंब अधिगम→** ई-लर्निंग द्वारा कक्षा कक्ष, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का कार्य किया जाता है । कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षण और अधिगम दोनों

ही कार्यों में अपेक्षित सफलता प्राप्त करने हेतु मल्टीमीडिया,इंटरनेट, वेब-टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हैं ।

2. **पूर्ण ई-लर्निंग**→ विद्यार्थियों के समक्ष पूर्ण-रूप से संरचित ई-लर्निंग पाठ्यक्रम तथा अधिगम सामग्री होती है, जिसे वे स्वतंत्र वातावरण में अपनी गति एवं रूचि के अनुसार ग्रहण करने का प्रयास करते हैं ।

3. **मिश्रित अधिगम**→ इस प्रारूप के अंतर्गत परंपरागत तथा आधुनिक सूचना का संप्रेषण तकनीकी पर आधारित दोनों ही प्रकार की तकनीकियों के मिश्रित रूप का प्रयोग किया जाता है ।

इलेक्ट्रॉनिक अधिगम की शैली

1. **Asynchronous संप्रेषण शैली**→ इस प्रकार के संप्रेषण में शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों एक साथ उपस्थित नहीं होते हैं। अध्ययन सामग्री पहले से ही वेब पेज, वेब्लॉग या ब्लॉग विकीज और रिकॉर्डिंड सीडी रोम एवं डीवीडी के रूप में उपलब्ध होती है । विद्यार्थी किसी भी समय अपनी सुविधा एवं गति के अनुसार उसका प्रयोग कर सकता है तथा दिए हुए कार्य को पूरा करके ई-मेल द्वारा शिक्षक को प्रेषित कर सकता है।

2. **Synchronous संप्रेषण शैली**→ इसके अंतर्गत शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों ही एक निश्चित समय विशेष में इंटरनेट पर ऑनलाइन चैटिंग या ऑडियो- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए उपस्थित होते हैं ।

इलेक्ट्रॉनिक अधिगम की उपयोगिता

1. यह विद्यार्थियों को उनकी अपनी आवश्यकताओं, योग्यताओं, क्षमताओं, मानसिक स्तर तथा उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप अधिगम अनुभव प्रदान करने की सामर्थ्य रखती है ।
2. इसके द्वारा सभी व्यक्ति शिक्षा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।
3. इसके द्वारा सर्वोत्तम ज्ञान भंडार व ज्ञानार्जन के अवसर एक साथ, एक से अधिक विद्यार्थियों को, एक ही समय में प्रदान किए जा सकते हैं।
4. ई-लर्निंग की एक मुख्य विशेषता इसका लचीलापन है।
5. ई-लर्निंग द्वारा व्यक्तिगत विभिन्नताओं का ध्यान रखा जाता है।
6. ई-लर्निंग द्वारा मूल्यांकन का कार्य भी किया जा सकता है।